सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 157 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 12 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

कोई लोहे को नष्ट नहीं कर सकता, लेकिन उसकी अपनी जंग कर सकती है! उसी तरह कोई किसी इंसान को बर्बाद नहीं कर सकता, लेकिन उसकी अपनी मानसिकता कर सकती है। -रतन टाटा

लॉर्ड्स के ऑनर्स बोर्ड में शामिल... 7 | बिहार-बंगाल में सियासी साख पर... 3 | भाजपा सरकार में अपराधियों को... 2

'भूराबाल' साफ करो की एंट्री

बिहार की सियासत में फिर उठा बवंडर

» डिप्टी सीएम ने कहा- किसी की हिम्मत नहीं जो भूराबाल साफ कर सके

» महागठबधंन की महत्वूपर्ण बैठक आज

» आक्रामक चुनावी अभियान शुरू करेगा महागठबधंन

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भूरा बाल साफ करो सियासी नारे ने बिहार विधानसभा चुनाव में भूकंप की स्थिति पैदा कर दी है। हुआ यूं कि राजद विधायक रंजीत यादव की सभा में किसी ने भूरा बाल साफ करो नारा लगा दिया। यह नारा तेजी से वायरल हुआ और देखते ही देखते बिहार की चुनावी फिजा विस्फोटक हो गयी।

हालांकि इस नारे से राजद और विधायक दोनों ने किनारा कर लिया लेकिन बीजेपी की ओर से इस नारे पर जबर्दस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली और सरकार में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने राजद को चेतावनी देते हुए कहा कि बिहार में किसी में हिम्मत नहीं है कि यहां भूरा बाल साफ कर सके।

नारे का मतलब

इस नारे की उत्पत्ति 1990 के दशक में हुई थी जब मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू हुई और बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव उभरे। भूरा बाल में शामिल जातियाँ भू (भूमिहार), रा (राजपूत), बा (ब्राह्मण), ल (लाल यानी कायस्थ) लंबे समय तक सत्ता की धुरी रही थीं। साफ करो, यानी इस वर्चस्व को खत्म करो। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने कभी इस नारे को खुले में स्वीकार नहीं किया ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने तिलक, तराजू और तलवार नारे से खुद को अलग रखा। हालांकि यूपी वाला नारा कांशीराम की राजनीतिक प्रयोगशाला में तैयार किया था और भूरा बाल साफ करो नारे को लालू प्रसाद यादव के समर्थकों ने पिछड़ों के सशक्तिकरण का प्रतीक बना दिया। हालांकि तेजस्वी यादव ने कभी इस नारे का इस्तेमाल नहीं किया है।

डिप्टी सीएम का पलटवार

बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने राजद को चेतावनी देते हुए कहा कि बिहार में किसी में हिम्मत नहीं है कि बिहार से भूरा बाल साफ कर सके। विजय सिन्हा के इस बयान पर राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो. सुबोध कुमार मेहता ने उस बयान से किनारा करते हुए कहा कि जहां भी ऐसी टिप्पणी की गई है राष्ट्रीय जनता दल का उनसे कोई संबंध नहीं है।

कहां से आया नारा

राजद विधायक रंजीत यादव की एक आम सभा चल रही थी। सभा का मुददा विकास, बेरोजगारी और महंगाई था कि अचानक पीछे से आवाज आई भूरा बाल साफ करो इस आवाज के आते ही मंच पर सन्नाटा पसर गया। समर्थक जोश में तालियां बजाने लगे। लेकिन अगले ही पल मीडिया ने क्लिप काट दी, वायरल वीडियो ने आग में घी काम किया और पूरे बिहार में इस नारे पर चर्चा होने लगी। हालांकि राजद ने तुरंत नारे से पल्ला झाड़ लिया। रंजीत यादव ने बयान दिया कि यह किसी उत्साही कार्यकर्ता का निजी उन्माद था। पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं।

वह नारे जिन्होंने रच दिया इतिहास

- 'गरीबी हटाओ' नारे ने 1971 में विपक्ष को ध्वस्त करते हुए इंदिरा गांधी की सरकार बनवाई।
- 'जय जवान जय किसान' नारे की जनमानस में गूंज, लाल बहादुर शास्त्री की सरकार।
- 'रोटी, कपड़ा और मकान' नारे से कांग्रेस की सत्ता में वापसी
- 'मेरा देश बदल रहा है और अच्छे दिन आएंगे' नारे ने करिश्माई काम किया और 2014 में नरेन्द्र मोदी की सरकार बनी।
- 'मोदी हैंतो मुमकिन है' नारे से बीजेपी ने (2019) में सत्ता में पुनः वापसी की।

आगामी चुनावी एजेंडे की तैयारी में जुटा महागठबंधन

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के आवास पर महागठबंधन की एक अहम बैठक बुलाई गई है। बैठक में कांग्रेस समेत गठबंधन के सभी सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी चुनावों में सत्तारूढ़ एनडीए का मुकाबला करने के लिए गठबंधन की रणनीति को अंतिम रूप देना है। बताया जा रहा है कि महागठबंधन के भीतर गठित सभी समितियों ने एनडीए

सहयोगियों के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिए हैं जिन्हें बैठक के दौरान तेजस्वी यादव और अन्य प्रमुख नेताओं के सामने रखा जाएगा। महागठबंधन का उद्देश्य संयुक्त रूप से आक्रामक चुनाव अभियान चलाना है ताकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को कड़ी चुनौती दी जा सके।

चिराग पासवान पर तेजस्वी ने साधा निशाना

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान पर निशाना साधा। चिराग पासवान ने व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी। बिहार में एनडीए के प्रमुख सहयोगी पासवान ने खेमका की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या के बाद राज्य में ध्वस्त कानून-व्यवस्था को लेकर सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए यादव ने पासवान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पासवान राज्य में बढ़ते अपराधों पर टिप्पणी करते हैं, लेकिन उसी सरकार का समर्थन भी करेंगे। राजद नेता ने कहा कि चिराग (पासवान) के पास स्पष्ट रूप से कोई विचारधारा नहीं है। वह (राज्य में) हो रहे अपराधों पर टिप्पणी करते हैं, लेकिन सरकार का समर्थन भी करेंगे। वह उन लोगों का समर्थन करते हैं जो संविधान को नष्ट कर रहे हैं,उन्होंने बिहार के लिए कुछ नहीं किया है, न तो मंत्री के रूप में और न ही अन्यथा। वह सिर्फ अभिनय कर रहे हैं।

भाजपा सरकार में अपराधियों को छोड़कर सबमें खौफ : अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- पुलिस निरंकुश हैं मुख्यमंत्री अपने भाषणों से आत्ममुग्ध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सीएम योगी व भाजपा सरकार पर फिर हमलावर हैं। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार का दावा था कि अपराधी अपराध छोड़ देंगे या फिर प्रदेश छोड़ देंगे। लेकिन हकीकत यह है कि यहां सिर्फ अपराधी बेखौफ हैं प्रदेश में वही व्यक्ति सुरक्षित है जो अपराधियों की नजर से बचा हुआ है।

भाजपा सरकार में पूरा प्रदेश जंगलराज में बदल गया है। हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार तो अब रोज की आम बातें हो गई हैं। पुलिस निरंकुश हैं मुख्यमंत्री अपने भाषणों से आत्ममुग्ध है। शासन-प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है। कोई दिन तो नहीं जाता है जब राजधानी लखनऊ सहित अन्य जनपदों में अपराधिक वारदातें न होती हों। कासगंज में सिद्धपुरा थाना क्षेत्र में युवती को बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया तो अलीगढ़ में आगरा रोड़ पर एक गांव में दुकान में किशोरी को बंधक बनाकर गैंगरेप हुआ। सहारनपुर के गोविन्दनगर में एक नृत्यांगना के घर से चोर मूर्तियां, जेवर, नकदी, बर्तन आदि लाखों का सामान ले उड़े। मथुरा में हाई-वे अंतर्गत सोंखरोड़ पर नरसीपुर कॉलोनी में मकान में घुसकर दिनदहाड़े जेवर नकदी की लूट हो गई।

भाजपा सरकार में दलितों को सर्वाधिक उत्पीड़न

भाजपा सरकार में दलितों को सर्वाधिक उत्पीड़न झेलना पड़ता है। कहीं दबंग दलितों की बारात में डीजे बजाने पर मारपीट पर उतारू हो जाते हैं तो कहीं दूल्हे के घोडे पर चढ़ने पर हंगामा हो जाता है। ताजा घटना बाराबंकी की है जहां एक दलित युवक शैलेन्द्र गौतम को मंदिर में प्रवेश से रोका गया और बेरहमी से उसकी पिटाई कर दी गई।

प्रदेश की दुनियाभर में बदनामी हो रही

सच तो यह है कि अब प्रदेश में लोग आतंक और भय में जी रहे हैं। भाजपा सरकार की हर मोर्चे पर विफलता के चलते प्रदेश की दुनियाभर में बदनामी हो रही है। बच्चियां और महिलाएं अपमानित हो रही है। कानून व्यवस्था तो पूरी तरह ध्वस्त है। इस वजह से प्रदेश में न तो कोई निवेश आ रहा है और नहीं कोई उद्योग लग रहा है। बल्कि जो उद्योग लगे हैं वे भी अब बाहर जाने का मन बना रहे है। मुख्यमंत्री जी बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं पर कोई भी दावा जमीन पर नहीं उतर रहा है।

भाजपा सरकार की कारगुजारी से जनता अब त्राहिमाम् कर रही

कैसी विडम्बना है कि प्रदेश में बड़े घोटाले में संलिप्त एक आईएएस अफसर लम्बे समय से फरार हैं पुलिस उन्हें खोज नहीं पा रही है। धर्मांतरण के मामले हो या आतंकी साजिशें प्रदेश में उनका पता देर-सबेर ही चलता है। भाजपा सरकार की कारगुजारी से ऊबी जनता अब त्राहिमाम् कर रही है। लोगों को बस 2027 के विधानसभा चुनाव का इंतजार है जब वह अपने वोट से भाजपा का सफाया कर सके।

मातृभाषा मां की तरह तो हिंदी हमारी दादी : पवन कल्याण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। हैदराबाद के गाचिबोवली में स्थित जीएमसी बालयोगी स्टेडियम में राज्य भाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने हिंदी भाषा को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रभाव शिक्षा, रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लगातार बढ़ रहा है, इसलिए इसका अंधविरोध उचित नहीं है. उन्होंने लोगों से भाषा को लेकर संकीर्ण सोच को छोड़कर प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाने का आह्वान किया।

» भाषा विवाद पर बोले आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम

पवन कल्याण ने कहा, हम विदेश जाकर वहां की भाषाएं सीखते हैं, फिर हिंदी से इतना डर क्यों है, हम अंग्रेजी में सहजता से बात करते हैं, लेकिन हिंदी बोलने में हिचक क्यों है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए कहा कि वह तमिल होने के बावजूद हिंदी से प्रेम करते थे। उन्होंने आगे कहा कि हमें सांस्कृतिक गर्व को भाषाई कट्टरता से नहीं जोड़ना चाहिए, मातृभाषा मां की तरह है तो हिंदी हमारी दादी की तरह है दूसरी भाषा को अपनाने से अपनी पहचान खत्म नहीं होती, बल्कि यह हमें एक साथ आगे बढ़ने का मौका देती है। हाल ही में आंध्र प्रदेश सरकार ने हिंदी को स्कूलों में वैकल्पिक विषय के रूप में बढ़ावा देने की योजना की घोषणा की है। पवन कल्याण ने इस पहल का समर्थन करते हुए कहा कि यह कदम युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार हिंदी शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने पर विचार कर रही है, ताकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित हो। उन्होंने समारोह में उपस्थित लोगों से अपील की है कि वे भाषा को एकता का माध्यम बनाएं, न कि विभाजन का. यह समारोह हिंदी भाषा के प्रचार और संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विधानसभा का विशेष सत्र बुलाए सरकार : आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप नेता आतिशी ने दिल्ली में 10-15 साल पुराने वाहनों को स्क्रैप करने के फैसले को मिडिल क्लास पर हमला बताया। आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता से कानून बनाकर कार मालिकों की सुरक्षा की मांग की। 1 नवंबर की डेडलाइन से 60 लाख वाहन प्रभावित होंगे।आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने पुरानी गाड़ियों को बचाने के लिए कानून लाने की मांग को लेकर सीएम रेखा गुप्ता को चिट्ठी लिखी है।

आतिशी ने कहा कि दिल्ली की सड़कों से 10 साल पुरानी कारों को हटाना मिडिल क्लास पर सीधा हमला है। मिडिल क्लास सपने देखता है, कड़ी मेहनत करता है और बचत करके कार खरीदता है। एक नवंबर की तलवार अभी भी इन कार मालिकों के सिर पर लटकी हुई है। दिल्ली सरकार को तुरंत विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर मिडिल क्लास के कार मालिकों की सुरक्षा के लिए एक कानून पारित करना चाहिए। आम आदमी पार्टी इस कानून का पूरा समर्थन करेगी। आतिश ने सीएम से कहा है कि हो सकता है कि आप शासन में नई हों, लेकिन मैं आपको दिल्ली के लोगों की भावना समझाना चाहती हूं। एक मध्यवर्गीय परिवार के लिए वाहन खरीदना आज भी जीवन की एक बड़ी उपलब्धि होती है। वे वर्षों तक सपने देखते हैं, योजना बनाते हैं और पैसे बचाते हैं, ताकि एक कार खरीद सकें। कई लोग सेकंड हैंड कार खरीदते हैं।

नई कार खरीदना अधिकतर लोगों के लिए संभव नही

आतिशी ने कहा कि कई वरिष्ठ नागरिक अपनी कारों का ध्यान रखते हैं, वह केवल डॉक्टर के पास या पास की मार्केट जैसी छोटी दूरी के लिए ही उपयोग करते हैं। कई महिलाएं कार को सुरक्षित माध्यम के रूप में देखती हैं। दिल्ली की सड़के असुरक्षित हैं। इसलिए ऑफिस जाने या बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए कार उपयोग करती हैं। एक झटके में 60 लाख वाहनों को हटाना इन सभी लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित करेगा। नई कार खरीदना अधिकतर लोगों के लिए संभव नहीं है।

मप्र में लोधी परिवार के साथ क्या हुआ बताए सरकार : जीतू पटवारी

पीसीसी चीफ 14 दिन से गायब परिवार पर चिंतित

बोले-एफआईआर के बाद गायब, शासन बताए अपहरण हुआ या हत्या?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। अशोकनगर की घटना को लेकर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने परिवार के गुम होने पर सवाल उठाए हैं। कहा 14 दिन हो गए हैं परिवार गांव से गायब है। हमारे नेता दिग्विजय सिंह भी गांव गए थे। ऐसे में मेरी सरकार से मांग है कि उन्हें सबके सामने लाया जाए। क्या उनका अपहरण हुआ है या फिर हत्या कर दी गई है।

कुटुंब के लोगों ने उनसे कहा कि जब से एफआईआर कराई है। उसके बाद से वह दोनों भाई और उनके परिवार गायब हैं। ऐसे में मेरी सरकार से मांग है कि उन्हें सबके सामने लाया जाए। क्या उनका अपहरण हुआ है ? या फिर हत्या कर दी गई है ? इस बात को सरकार स्पष्ट करें।शहडोल में जल प्रबंधन कार्यक्रम में ड्राई फ्रूट्स घोटाले को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा मध्यप्रदेश में एक भी मंत्रालय ऐसा नहीं है जहां 50त्न से कम कमीशन लिया जाता हो। कुछ दिन में 1 लीटर पेंट से 233 लोगों ने पुताई की थी, अब 14 लोग जिस तरीके से ड्राई फ्रूट खा गए। मुझे लगता है कि पेट तो इनका इंसानों जैसा था, लेकिन खा भैसों जैसा गए और पचा भी गए। पटवारी ने कहा कि फर्जी वोटर लिस्ट पर बोले कि चुनाव को कैसे खरीदना, बेचना सब करते हैं। एक एक वोटर लिस्ट का मध्यप्रदेश में सत्यापन होना चाहिए।

योग्य व्यक्तियों का किया जाएगा चयन

पटवारी ने कहा कि जल्द ही संगठन सृजन होगा और योग्य व्यक्तियों का चयन किया जाएगा। वार्ड और ग्राम पंचायत पर भी कांग्रेस कमेटी का गठन किया जाएगा। मूंग खरीदी पर कहा कि 100 क्विंटल से अधिक की मूंग किसानों से नहीं खरीदेंगे। यह किसानों से धोखा है। अभी ब्लैकलिस्ट कंपनी को मूंग खरीदी का टेंडर दे दिया है। सरकार किसानों के साथ धोखा कर रही है।

भागवत का इशारा आखिर किसकी तरफ

संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75 साल होने के बाद राजनीति से रिटायरमेंट के बयान पर जीतू पटवारी ने कहा कि यह बात प्रधानमंत्री मोदी भी कह चुके हैं, और इसी नियम के तहत लालकृष्ण आडवाणी को घर बैठा दिया गया। ना उन्हें राष्ट्रपति बनने दिया, ना प्रधानमंत्री बनने दिया। यदि मोहन भागवत कह रहे हैं तो उनका इशारा आखिर किसकी तरफ है यह समझना बहुत जरूरी है। उम्मीद है कि भाजपा के नेता उनके इस बयान पर अमल करके युवाओं के लिए कुर्सी छोड़ेंगे।

जयंत पाटील ने एनसीपी-एसपी के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

» शरद पवार ने शशिकांत को दी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शरद पवार की एनसीप में बड़ा फेरबदल हुआ है। जयंत पाटील ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। वहीं, शरद पवार ने अब शशिकांत शिंदे को पार्टी का नया अध्यक्ष बनाया है। शशिकांत शिंदे मंगलवार (15 जुलाई) को कार्यभार संभालेंगे। हाल ही में जयंत पाटील ने पार्टी प्रमुख शरद पवार से मांग की थी कि उन्हें प्रदेश अध्यक्ष के पद से मुक्त किया जाए।

उन्होंने 10 जून को पार्टी की वर्षगांठ पर ही इस्तीफा देने की इच्छा जताई थी। जयंत पाटील ने कहा, पवार साहब ने मुझे बहुत मौके दिए. उन्होंने मुझे सात साल का कार्यकाल दिया। आखिरकार, पार्टी को नए चेहरों को मौका देना ही होगा. मैं आप सबके सामने निवेदन करूंगा कि आखिरकार पार्टी पवार साहब की ही है उन्हें इस पर सही फैसला लेना चाहिए. हमें अभी बहुत आगे जाना ह। एनसीपी शरद पवार गुट के नए प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिदे, शरद पवार के बेहद भरोसेमंद नेता माने जाते हैं। शशिकांत शिंदे सतारा के कोरेगांव विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय हैं. वे इस क्षेत्र से दो बार के विधायक रहे हैं।शशिकांत शिंदे को मराठी कार्यकर्ताओं का नेता भी माना जाता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने सतारा सीट से चुनाव लड़ा था हालांकि, उदयनराजे भोसले के सामने वे हार गए थे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बिहार-बंगाल में सियासी साख पर चुनावी दांव

सर्वे में ममता व तेजस्वी की बढ़त

भाजपा को मिलेगी कड़ी टक्कर

सभी दलों ने कसे कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस वर्ष के अंत और अगले महीने क्रमश: बिहार व बंगाल में चुनाव होने हैं। दोनों राज्यों में सक्रिय सियासी दलों ने अपना कमर कसना शुरू कर दिया। जहां बंगाल में टीएमसी की सरकार है जिसका केंद्र की भाजपा सरकार से छत्तीस आंकड़ा बना रहता है जबकि बिहार भाजपा गठबंधन की सरकार सत्ता पर काबिज है। दोनों राज्यों की पार्टियां अब चुनावी मैदान में आने की तैयी में आ गई हैं। इस लिए बंगाल की विपक्षी पार्टी भाजपा टीएमसी सरकार पर हमलावर है तो बिहार में सत्ता में राजग गठबंधन जिसमें भाजपा शामिल है उस वहां विपक्षी दल कांग्रेस, राजद भाजपा को घेरने का कोई भी मौका नही छोड़ रही हैं।

वहीं अब सर्वे और पोल वगैरह भी होने शुरू हो गाए हैं। बंगाल में जहां टीएमसी को भाजपा से कड़ी टक्कर मिल रही हैं वहीं बिहार में राजद के युवा नेता तेजस्वी यादव की लोकप्रियता में सबसे भारी पड़ रहै हैं। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर एक सर्वे किया गया, जिसमें सत्ता को लेकर कई तरह के सवाल पूछे गए। लोगों ने सर्वे में मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी पहली पसंद के बारे में भी बताया। पश्चिम बंगाल का अगला विधानसभा चुनाव 2026 में होना है। इससे ठीक पहले एक सर्वे किया गया है, जिसमें कई चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं, इस बार चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को भारतीय जनता पार्टी से कड़ी टक्कर मिल सकती है. कांग्रेस भी मैदान में होगी। सर्वे में ममता बनर्जी और उनकी सरकार को लेकर सवाल पूछे गए थे। जून के तीसरे हफ़्ते में आजतक पर प्रसारित सी-वोटर के ताज़ा सर्वेक्षण से राजनीतिक हलचल और बढ़ गई है। सर्वेक्षण के अनुसार, तेजस्वी यादव शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, जहाँ 34.6प्रतिशत तिशत उत्तरदाताओं ने उन्हें मुख्यमंत्री के लिए अपनी पहली पसंद बताया है।

बिहार में तेजस्वी की मांग बढ़ी

बिहार में नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। ऐसे में राज्य में राजनीतिक तापमान लगातार बढ़ रहा है। सत्तारूढ़ एनडीए और महागठबंधन के बीच मुकाबला माना जा रहा है। हालांकि, प्रशांत किशोर की एंट्री चुनाव को दिलचस्प बना सकता है। एनडीए लालू-राबड़ी के दौर के जंगल राज का हवाला दे रहा है, वहीं आरजेडी नेता तेजस्वी प्रसाद यादव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दो दशक के शासन पर निशाना साध रहे हैं और उम्र, बेरोजगारी और अपराध को गंभीर चिंता का विषय बता रहे हैं। इस बीच, राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर खुद को दोनों खेमों के लिए एक नए विकल्प के रूप में पेश कर रहे हैं।

ताज़ा सर्वेक्षण में पूर्व उपमुख्यमंत्री चमके

जून के तीसरे हफ़्ते में आजतक पर प्रसारित सी-वोटर के ताज़ा सर्वेक्षण से राजनीतिक हलचल और बढ़ गई है। सर्वेक्षण के अनुसार, तेजस्वी यादव शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, जहाँ 34.6ल उत्तरदाताओं ने उन्हें मुख्यमंत्री के लिए अपनी पहली पसंद बताया है। हालाँकि, यह फ़रवरी की तुलना में लगभग छह प्रतिशत अंकों की गिरावट दर्शाता है, जब उनका समर्थन 40.6ल था। हालाँकि, फ़रवरी से अब तक किए गए चार सर्वेक्षणों में उन्होंने अपनी बढ़त बनाए रखी है, लेकिन यह गिरावट राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के लिए चिंता का विषय हो सकती है।

सत्ता से दूर हो सकती है टीएमसी

वोट वाइब ने एक सर्वे किया है। इसमें लोगों से सवाल पूछा गया, क्या आपको लगता है ममता बनर्जी के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर है? 34.4 प्रतिशत लोगों ने सर्वे के दौरान हां का जवाब दिया है। इनका मानना है कि बहुत मजबूत सत्ता विरोधी लहर है। वहीं 18.8 प्रतिशत लोगों ने मजबूत सत्ता विरोधी लहर कहा है। जबकि 15 प्रतिशत लोगों का मानना है कि राज्य में सत्ता विरोधी लहर बिल्कुल नहीं है। सर्वे में पूछा गया क्या बीजेपी ममता बनर्जी को हरा सकती है? 51.8 प्रतिशत लोगों ने कहा कि बीजेपी ममता को नहीं हरा सकती है। वहीं 30.2 प्रतिशत लोगों ने कहा कि बीजेपी जीतने का दम रखती है जबकि 8.9 प्रतिशत लोगों ने कहा शायद हरा सकती है।

चिराग पासवान ने लोगों के बीच बढ़त हासिल की

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान ने भी पिछले चार महीनों में बढ़त हासिल की है। फरवरी में 3.7प्रतिशत से, जून की शुरुआत में उनका समर्थन 10.6ल तक बढ़ गया, हालांकि नवीनतम दौर में यह थोड़ा कम होकर 9.9प्रतिशत हो गया। उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी, जिन्हें एनडीए के भीतर कुछ लोग संभावित पीढ़ीगत चेहरे के रूप में देखते हैं, सर्वेक्षण में पांचवें स्थान पर हैं। अप्रैल में उनकी लोकप्रियता 12.5प्रतिशत के शिखर पर थी, लेकिन जून की शुरुआत में यह तेजी से गिरकर 6.6प्रतिशत पर आ गई, लेकिन तीसरे सप्ताह में थोड़ा सुधार करके 9.6प्रतिशत पर आ गई।

मुख्यमंत्री पद पर ममता अब भी सबकी पसंद

सर्वे में मुख्यमंत्री पद को लेकर सवाल पूछा गया। इसमें सबसे अधिक लोगों ने ममता बनर्जी को चुना। सवाल था कि आप बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में किसे देखना चाहते हैं? ममता बनर्जी - 41.7 प्रतिशत,अभिषेक बनर्जी - 5.7 प्रतिशत,सुकांत मजूमदार - 9.7 प्रतिशत,सुवेंदु अधिकारी - 20.4 प्रतिशत, क्या आप बीजेपी के आरोप से सहमत हैं कि ममता अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त हैं? सर्वे में लोगों के जवाब हां, काफी हद तक - 43.4 प्रतिशत, कुछ हद तक - 11.5 प्रतिशत,बिल्कुल सहमत नहीं - 34.1 प्रतिशत,कह नहीं सकते - 11.0 प्रतिशत

उपचुनाव में टीएमसी की ताकत दिखी

पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट तृणमूल कांग्रेस के खाते में गई है, जहां पर बीजेपी के आशीष घोष टीएमसी कैंडिडेट अलीफा अहमद से करीब 50 हजार वोटों से हार गए। इस सीट पर कांग्रेस ने मुस्लिम कैंडिडेट कबीलुद्दीन शेख को उतारा था, लेकिन उन्हें 28251 वोट मिले और वह तीसरे पायदान पर रहे। इससे साफ है कि इस चुनाव में भी मुस्लिम वोटरों ने टीएमसी को लिए वोट किया। लिहाजा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले इस रिजल्ट को वोटिंग पैटर्न का ट्रेलर माना जा रहा है। जानकार बताते हैं कि यदि यह पैटर्न दोहराया गया तो मुस्लिम वोट टीएमसी के खाते में रहेगी और चुनाव में उसका मुख्य मुकाबला बीजेपी से होगा। इसप्रकार से बंगाल में कमजोर हो रही कांग्रेस के लिए यह परिणाम खतरे की घंटी है।

कांग्रेस टीएमसी का गठबंधन नहीं चाहते अधिकतर लोग

तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के गठबंधन को लेकर भी सवाल किया गया. सर्वे में पूछा गया कि क्या टीएमसी को कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहिए? 21.1 प्रतिशत लोगों ने हां कहा. जबकि 9.6 प्रतिशत लोगों ने शायद कहा है. वहीं 50 प्रतिशत लोगों ने नहीं कहा है।जबकि 19.3 प्रतिशत लोगों ने कहा कि कह नहीं सकते हैं।

टीएमसी व भाजपा में मची है रार

शुभेंदु अधिकारी ने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश जाएं, यह देवभूमि है। उत्तराखंड और ओडिशा जाएं। हमें देश के सभी हिस्सों का दौरा करना चाहिए। मैं बंगाल के लोगों को चेतावनी दे रहा हूं कि वे मुस्लिम बहुल इलाकों में न जाएं।शुभेंदु अधिकारी ने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश जाएं, यह देवभूमि है। उत्तराखंड और ओडिशा जाएं। हमें देश के सभी हिस्सों का दौरा करना चाहिए। मैं बंगाल के लोगों को चेतावनी दे रहा हूं कि वे मुस्लिम बहुल इलाकों में न जाएं। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला द्वारा पश्चिम बंगाल के लोगों को जम्मू-कश्मीर आने का न्योता दिए जाने पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने एक ऐसा बयान दिया है जिससे सियासत तेज ह गई है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कोई भी बंगाली कश्मीर नहीं जाएगा। मैं यह पार्टी की मान्यता के आधार पर कह रहा हूं, उन जगहों पर न जाएं जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं। अगर आप जम्मू-कश्मीर जा रहे हैं तो जम्मू जाएं। हत्या से पहले शरीर के अंगों और सिंदूर की जांच की गई थी। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा कि भाजपा नेता पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को ठीक वही दे रहे हैं जो वे चाहते थे। तृणमूल कांग्रेस ने अधिकारी की टिप्पणी को सोची-समझी सांप्रदायिक उकसावे करार दिया। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी ने भाजपा नेताओं के हालिया बयानों की ओर इशारा किया, जिनमें भारतीय संविधान की प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्ष शब्द हटाने की मांग की गई थी। पोस्ट में आगे कहा गया, यह वही भाजपा है जो संविधान से धर्मनिरपेक्ष शब्द को हटाना चाहती है। एक लोकतांत्रिक देश में ऐसे बयानों का कोई स्थान नहीं है। हम भाजपा को भारतीयों के बीच की खाई को पाटने नहीं देंगे। न कश्मीर में, न बंगाल में, न कहीं और।

नीतीश कुमार से आगे पीके

गौरतलब है कि जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने ताजा रैंकिंग में नीतीश कुमार को पीछे छोड़ दिया है। अब 18.4प्रतिशत उत्तरदाताओं ने किशोर का समर्थन किया है, वे दूसरे सबसे लोकप्रिय सीएम चेहरे के रूप में उभरे हैं। फरवरी में यह 14.9 प्रतिशत था। किशोर की बढ़त

उनके वैकल्पिक शासन और पहुंच के मॉडल के लिए बढ़ते आकर्षण की ओर इशारा करती है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो कभी बिहार में शासन का प्रमुख चेहरा थे, नवीनतम सर्वेक्षण में तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। अब उन्हें 17.4प्रतिशत उत्तरदाताओं का समर्थन प्राप्त है - फरवरी में 18.4प्रतिशत से मामूली गिरावट और जून की शुरुआत में देखी गई थोड़ी सी उछाल के विपरीत।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बरसाती सड़क के गड्ढों से निजात जरूरी

बारिश के मौसम में सड़कों परत बननें वाले गड्ढों की समस्या को दूर करने के कई उपाय बारिश शुरू होने से पहले ही होने चाहिए। इसमें गड्ढों को सीमेंट कंक्रीट से भरना, मौसम खत्म होने के बाद जनप्रतिनिधियों से मिलकर सड़कों के सीमेंटीकरण की मांग करना और सुनवाई न होने पर आंदोलन करना आदि उपाया किए जा सकते हैं। हर साल बारिश के मौसम में सड़कों पर गड्ढों की समस्या बहुत ही ज्वलंत समस्या है।

बरसात शुरू होते ही समस्याए भी शुरू हो जाती हैं। पहाड़ों में जहां भूस्खलन की वजह से तबाही मचती है। वहीं शहरों में सड़के जानलेवा हो जाती हैं। कमोवेश यह हाल पूरे भारत में रहता है। हर साल बारिश के मौसम में सड़कों के गड्ढों की समस्या को दूर करने के उपाय हो सकते हैं? आम लोग इस पर समय-समय पर सोशल मीडिया पर विभिन्न प्रतिक्रियाएं देते रहते हैं। सरकारों को इस ओर ध्यान चाहिए। बारिश के मौसम में सड़कों परत बननें वाले गड्ढों की समस्या को दूर करने के कई उपाय बारिश शुरू होने से पहले ही होने चाहिए। इसमें गड्ढों को सीमेंट कंक्रीट से भरना, मौसम खत्म होने के बाद जनप्रतिनिधियों से मिलकर सड़कों के सीमेंटीकरण की मांग करना और सुनवाई न होने पर आंदोलन करना आदि उपाया किए जा सकते हैं। हर साल बारिश के मौसम में सड़कों पर गड्ढों की समस्या बहुत ही ज्वलंत समस्या है।

हर साल सड़कों का टूटना गड्ढे होना यह सरकारी तंत्र के कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार ,घटिया सड़क निर्माण सामग्री के उपयोग को दर्शाता है। यदि सड़कों का निर्माण पूर्ण ईमानदारी के साथ गुणवतापूर्ण सामग्री का उपयोग करते हुए किया जाए जिससे सड़कों में टिकाऊपन बढ़ेगा इसके लिए जनता का जागरूक होना जरूरी है। बारिश से पहले गलियों सड़कों का निरीक्षण करते हुए मौजूद गड्ढों को भरकर उन्हें समतल करना चाहिए, जिससे पानी जमा होने ओर वाहनों को नुकसान से, जनता को दुर्घटना से बचाया जा सके। पानी की निकासी की व्यवस्थाओं को सुचारू करना चाहिए सड़कों के किनारे पेड़ लगने चाहिए जिससे मिट्टी का कटाव कम होता हैं सड़क की सतह को नुकसान से बचाया जा सकता है। नागरिकों को अपने गली, मोहल्ले व अन्य क्षेत्रों में बारिश से पहले या बारिश के दौरान सड़कों में गड्ढों की समस्या दिखाई देने पर इसे समय पर मरम्मत करने के लिए स्थानीय अधिकारियों को सूचना देनी चाहिए जिससे इस समस्या का समय पर समाधान हो सके और सभी नागरिकों को इस बारे मे जागरूक करना चाहिए।हर साल बारिश में सड़कों पर गड्ढों की समस्या से बचाव के लिए बेहतर जल निकासी व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री का उपयोग और समयबद्ध मरम्मत जरूरी है। ठेकेदारों की जवाबदेही तय की जाए और कार्य पूर्ण होने के बाद नियमित निरीक्षण हो। अमरीकी डामर (बिटुमिनस) या कंक्रीट जैसी टिकाऊ तकनीकों का प्रयोग हो। मानसून पूर्व सर्वेक्षण और तत्परता से मरम्मत कार्य सुनिश्चित कर यह समस्या काफी हद तक नियंत्रित की जा सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण संबंधी चिंताएं

अशोक लवासा

जरूरी नहीं जो कानूनी तौर पर हो, वह हमेशा उचित हो। मतदाता सूचियों का 'शोधन' एक सराहनीय उद्देश्य, एक जायज मांग और कठिन जिम्मेदारी है। भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सुकुमार सेन ने मतदाता सूची (ईआर) की गुणवत्ता पर अपनी पूरी तसल्ली होने बाद ही 1951 में प्रथम चुनाव करवाने से पहले, 18 महीने तक काफी दबाव झेला था। वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी, जब इस साल की शुरुआत में, मतदाता सूची में कथित हेराफेरी और विसंगतियों की शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए 90 दिनों के अंदर सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन देश को दिया था। लेकिन इस दिशा में उठाए गए एक कदम ने चुनाव आयोग को विवाद के घेरे में ला दिया, जो कि पिछले कुछ समय से इस संस्थान को घेरने वाले कई विवादों में एक है। हालांकि इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद स्थिति स्पष्ट होती नजर आ रही है।

समय-समय पर चुनाव करवाने वाले काम के विपरीत, मतदाता सूची तैयार करना एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21 (2) और मतदाता पंजीकरण नियमों के नियम 25 के अनुसार प्रत्येक चुनाव से पहले संशोधन किया जाना शामिल है। इस हिसाब से, 2024 में हुए लोकसभा चुनावों से पहले एक राष्ट्रव्यापी संशोधन कार्य किया जाना बनता था। इस साल 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन करने का आदेश दिया, जबकि वहां होने वाले विधानसभा चुनाव में चंद महीने बाकी हैं। ऊपरी तौर से, इसका मंतव्य यह सुनिश्चित करना है कि 'मतदाता सूची में सभी पात्र नागरिक जुड़ें', 'कोई अयोग्य मतदाता न हो' और 'सूची में मतदाताओं को जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता हो।' इस आदेश में गहन संशोधन हेतु विस्तृत प्रक्रिया की रूपरेखा दी गई, लेकिन इसने मतदाता सूची में 2003 से पहले और इसके बाद जुड़े मतदाताओं के बीच एक विवादास्पद अंतर खड़ा कर दिया, उस साल बिहार में आखिरी मर्तबा एसआईआर कार्य हुआ था।

इस आदेश में 2003 के बाद जुड़े मतदाताओं को अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए, आयोग द्वारा तय दस्तावेज प्रस्तुत करके अपने दावों को सिद्ध करना अनिवार्य था। भले ही मतदाता के रूप में उनका नाम शामिल करते वक्त, 'जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 23 के अनुरूप मतदाता

संशोधन अधिकारी उनकी पात्रता की शर्तों की सत्यापना, अपनी तसल्ली होने तक, पहले ही कर चुका हो।' तर्क दिया गया, यह कार्य ईसीआईएनईटी पर शोधित सूची को प्रकाशित करने योग्य बनाएगा। यह घोषणा करने का वक्त और इसे अचानक किए जाने से हो-हल्ला मच गया, खासकर इसलिए कि यह प्रक्रिया उन अन्य राज्यों में नहीं करवाई गई जहां 'शुद्धीकरण' किया जाना इतना ही महत्वपूर्ण था और चुनाव भी तुरंत नहीं होने वाले थे। संदेह की वजह यह समझने में मुश्किल होना रही कि चुनाव आयोग किस चीज को आधार बनाकर 2003 तक पंजीकृत हुए लोगों की साक्ष्य-साख का अधिक मोल डाल रहा है। जबकि चुनाव आयोग खुद कहता है कि प्रवासन, मृत्यु, रोजगार आदि की संभावना दोनों श्रेणी के मतदाताओं पर लागू होती है। तो समझना मुश्किल है कि 2003 से पहले वाली और बाद वाली में अपनाई प्रक्रिया के बीच फर्क क्यों रखा जा रहा है? खासकर जब संक्षिप्त संशोधन या विशेष गहन संशोधन या चालू पंजीकरण के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया एक जैसी है, जिसमें दस्तावेज जमा करवाए जाते हैं और बूथ स्तर का अधिकारी उनकी भौतिक सत्यापना करता है। 24 जून की प्रारंभिक अधिसूचना के अनुसार यह आशंका व्यक्त की गई कि 2003 के बाद पंजीकृत मतदाता यदि कोई संतोषजनक दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं तो उनका नाम मसौदा मतदाता सूची से स्वत: हट जाएगा। चुनाव आयोग के लिए अच्छा रहता यदि आदेश के साथ-साथ एक प्रेस नोट भी जारी करता, यह समझाने के लिए कि 24 जून के आदेश के पैरा 13 से जो अर्थ निकाले जा रहे हैं, वह वैसा नहीं है, जब उसमें कहा गया : 'मसौदा सूची में उन सभी मतदाताओं के नाम शामिल होंगे जो 25 जुलाई, 2025 से पहले-पहले विधिवत भरा हुआ पंजीकरण फॉर्म जमा करवा देंगे।

चूंकि यह एक गहन संशोधन है, इसलिए यदि 25 जुलाई, 2025 से पहले पंजीकरण फॉर्म जमा नहीं करवाया जाता, तब मतदाता का नाम मसौदा सूची में शामिल नहीं किया जा सकेगा।' चुनाव आयोग को तुरंत स्पष्ट करना चाहिए था कि 'विधिवत भरे गए फॉर्म' से यहां आशय 'केवल वही फॉर्म जिनके साथ अपेक्षित दस्तावेज संलग्न हों' नहीं है व बूथ स्तरीय अधिकारी ऐसे पंजीकरण फार्म मसौदा सूची में शामिल न किए जाने की 'अनुशंसा' नहीं करेगा और नतीजन उनका नाम मसौदा मतदाता सूची से बाहर रह जाएगा।

'एक भारतीय आत्मा' को अभिनव आदरांजलि

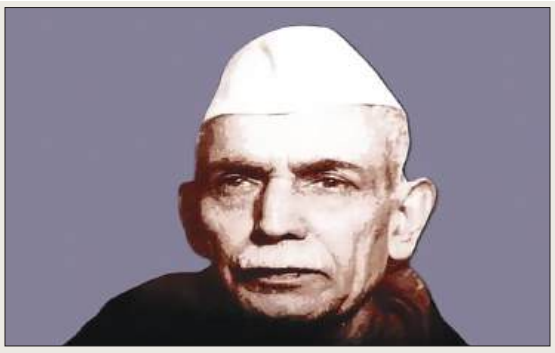

विजयदत्त श्रीधर

वे समाज और राष्ट्र सच्चे अर्थों में समुन्नत होते हैं जो अपनी संस्कृति और परंपरा को सगर्व स्वीकारते हैं, और उनका अनुपालन करते हैं। ऐसे समाज अपने महनीय और कृती व्यक्तियों और उनके कृतित्व का स्मरण करते हैं, और उनके स्मारक भी रचते हैं। भारत से विदेश यात्रा पर जाने वाले लोग बहुधा अपने अनुभव सुनाते हुए उल्लेख करते हैं कि किन देशों और स्थानों पर उनके महान साहित्यकारों, कलाकारों, वैज्ञानिकों के सम्मान और स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए किस प्रकार स्मृति चिह्नों को सहेजा गया है। भारत में ऐसी कोई परंपरा नहीं है। भारत के सुदीर्घ और समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास में अनेक विभूतियां हैं। इनमें मूर्धन्य साहित्यकार, शिरोमणि कलाकार, उद्भट विद्वान शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सम्मिलित हैं। राष्ट्र की सीमाओं से परे विश्व फलक पर उनकी सर्जना को रेखांकित किया गया है। परंतु उन विभूतियों से संबंधित स्थलों के प्रति प्राय: उपेक्षा और उदासीनता का भाव ही हमारा स्वभाव है। यह जरूर है कि कुछ विभूतियों के नाम पर संस्थान स्थापित हुए हैं।

ऐसे परिवेश और सामाजिक पर्यावरण में बीते दिनों भारत के हृदय मध्यप्रदेश में घटित ऐतिहासिक परिघटना ने इस जड़ता को तोड़ा है। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम ? (होशंगाबाद) जिले के बाबई गांव में जन्मे दादा माखनलाल चतुर्वेदी चिंतक, कवि, संपादक, स्वाधीनता आंदोलन के अग्रगण्य हस्ताक्षर रहे हैं। प्रभा और कर्मवीर के संपादक के रूप में उन्होंने राष्ट्र की वाणी को मुखरित किया। जब योद्धा पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी कारावासी हुए, तब माखनलाल जी ने 'प्रताप' के संपादन का दायित्व संभाला। कवि-लेखक की भूमिका में मानवीय संवेदना और सरोकारों के साथ-साथ स्वाधीनता की चेतना को स्वर दिया। वे गिरफ्तारी देने वाले मध्य प्रांत के पहले सत्याग्रही थे। ऐतिहासिक झण्डा सत्याग्रह के नायक थे।

बिलासपुर जेल में 18 फरवरी, 1922 को जिस 'पुष्प की अभिलाषा' की उन्होंने रचना की, वह समूचे देश के लिए आजादी का तराना बन गई थी। ऐसी राष्ट्रीय विभूति की जन्मभूमि बाबई उपेक्षित थी। सन् 1988-89 दादा माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म शताब्दी वर्ष था। इस प्रसंग में माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय, भोपाल ने बाबई में माखनलाल चतुर्वेदी जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन किया। साहित्य और पत्रकारिता के शीर्षजनों ने इस मंच से दादा की जन्मस्थली बाबई का नामकरण 'माखननगर' करने की अपील की। 4 अप्रैल, 1988 को माखनलाल जी के सौवें जन्मदिन पर मध्यप्रदेश विधानसभा ने सर्वसम्मति से तदाशय का संकल्प पारित किया। उस समय सदन के नेता मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह, नेता प्रतिपक्ष कैलाश जोशी और विधानसभा अध्यक्ष राजेन्द्रप्रसाद शुक्ल थे। विधानसभा में इन तीनों संवैधानिक हस्तियों की वाणी में मानो मध्यप्रदेश के कोटिश: कण्ठों का कृतज्ञ स्वर मुखरित हुआ था। तथापि प्रक्रिया की भूल-भुलैया में इस संकल्प का साकार होना उलझा रहा। आखिरकार दादा माखनलाल चतुर्वेदी की 134वीं जयंती आते-आते नामकरण की जन-अभिलाषा पूरी होने की घड़ी आ गई।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, के निरंतर प्रयासों के कारण संकल्प साकार हो सका। एक विशाल जनसभा में हजारों नागरिकों की उपस्थिति में 'बाबई' से 'माखननगर' नामकरण का समारोह मनाया गया। बाबई में जितने भी शासकीय और अर्द्धशासकीय कार्यालय स्थापित थे, उन सभी के नामपट पर 'माखननगर' अंकित किया गया। वैसे बाबई के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान कई साल पहले से अपने नामपट में माखननगर जोड़ चुके थे। नागरिक अपने पत्र-व्यवहार में और पत्रकार अपने समाचारों के साथ माखननगर नाम का प्रयोग कर रहे थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जब 7 दिसंबर, 1933 को बाबई पहुंचे, तब उन्होंने कहा था—'हम सब लोग बात करते हैं, बोलना तो माखनलाल जी ही जानते हैं। मैं बाबई जैसे छोटे स्थान पर इसलिए आया हूं, क्योंकि यह माखनलाल जी का जन्म स्थान है। जिस भूमि ने माखनलाल जी को जन्म दिया है, उसी भूमि को मैं सम्मान देना चाहता हूं।'

कांग्रेस के अध्यक्ष नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने 17 फरवरी, 1938 को अपने संदेश में कहा था—'पिछले 14 वर्षों से 'कर्मवीर' ने राष्ट्रीय महासभा के झण्डे को ऊंचा रखा है और प्रति सप्ताह हमारे देशवासियों को प्रेरणात्मक संदेशों से अनुप्रेरित करता रहा है। मेरी यह एकांत आशा और प्रार्थना है कि इस पत्र द्वारा हमारी मातृभूमि की लगातार सेवा होती रहे।' मूर्धन्य साहित्यकार फिराक गोरखपुरी की सम्मति उल्लेखनीय है—'उनके लेखों को पढ़ते समय ऐसा मालूम होता था कि आदि शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही हैं। यह शैली हिन्दी में ही नहीं, भारत की दूसरी भाषाओं में भी विरले ही लोगों को नसीब हुई।' बाबई का माखननगर बनना भारत के संस्कृति-साहित्य-पत्रकारिता इतिहास का अनूठा और अभूतपूर्व अध्याय है। परंतु यह टीस कचोटती है कि भारत में और विशेष रूप से हिन्दी जगत में हर्ष और उल्लास की जैसी प्रतिक्रिया होनी थी, वह नहीं हुई। कदाचित इसकी अनुभूति भी नहीं है। जबकि इस परिघटना से गर्व और गौरव का नया अध्याय रचा जाना चाहिए।

सावन में शिव पूजा से जीवन में आती है सुख समृद्धि

सावन का महीना भगवान शिव को सबसे अधिक प्रिय है। इस पवित्र महीने में महिलाएं प्रत्येक सोमवार को व्रत रखकर महादेव की पूजा-अर्चना करती हैं। माना जाता है कि भगवान शिव की उपासना करने से जीवन में सुख समृद्धि आती है। साथ ही व्यक्ति की सभी मनोकामना भी पूरी होती है। हिंदू धर्म में सावन का विशेष धार्मिक महत्व होता है। श्रावण मास को साल का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। बहुत से लोग इस माह को सावन का महीना भी कहते हैं। सावन में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा बहुत श्रद्धा और भक्ति भाव से की जाती है। सावन माह में शिव आराधना करने पर सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है। इस बार सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो गया है।

इस सावन में हैं चार सोमवार

पहला सोमवार- 14 जुलाई
दूसरा सोमवार- 21 जुलाई
तीसरा सोमवार- 28 जुलाई
चौथा सोमवार- 4 अगस्त

सावन सोमवार का महत्व

धार्मिक ग्रंथ स्कंद पुराण में श्रावण मास का विशेष महत्व बताया गया है। कहा गया है कि यह महीना स्वयं भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। कहा जाता है कि जो व्यक्ति सावन के सोमवार का व्रत करता है और भोलेनाथ का पूजन करता है उसके वैवाहिक जीवन खुशियों से भर उठती है। साथ ही जीवन में सुख समृद्धि की कभी कमी नहीं होती। यही वह समय होता है जब माता पार्वती की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। ऐसी भी मान्यता है कि सावन के महीने में भगवान शिव अपनी ससुराल यानी माता पार्वती के मायके पृथ्वी पर आते हैं और उनके स्वागत में भक्त जलाभिषेक करते हैं।

पूजन विधि

सावन के महीने में भक्त नियमपूर्वक पूजा, व्रत और भक्ति करते हैं। महिलाएं विशेष रूप से इस महीने में व्रत करती हैं ताकि उन्हें अच्छा पति मिले या उनके दांपत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहे। सावन के महीने में महादेव पर धतूरा, बेलपत्र चावल चंदन, शहद आदि जरूर चढ़ाना चाहिए। सावन के महीने में की गई पूजा से भोलेनाथ जल्दी प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा सावन के सोमवार का व्रत करने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है।

पूजा का शुभ मुहूर्त

सावन सोमवार पर व्रती सुबह शिवलिंग पर जलाभिषेक करके व्रत का आरंभ करते हैं और फिर पूरे दिन व्रत करते हैं। कुछ महिलाएं मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए सोमवार व्रत करती हैं और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। ऐसी मान्यता है कि शाम के वक्त में रुद्राभिषेक करने से शिवजी साधक के सभी कष्टों को दूर करते हैं। मान्यता है कि इस महीने में किए गए दान और पुण्य का फल कई गुना बढ़ जाता है। 500 साल बाद सावन में शनि और गुरु का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिसके चलते इन राशियों के अच्छे दिन शुरू होंगे, करियर और कारोबार में तरक्की के योग बन रहा है।

श्रावण मास में क्या होता है?

इस पावन मास में भक्त माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करते हैं। अविवाहित बालिकाएं श्रावण के हर मंगलवार को मंगला गौरी का व्रत रखती हैं। सावन महीने के दौरान कांवड़ यात्रा भी बहुत प्रसिद्ध है, जिसमें भक्त पवित्र गंगा के पास अलग अलग धार्मिक स्थानों पर भी जाते हैं और वहां से गंगाजल लाकर शिवरात्रि के दिन भगवान शिव को चढ़ाते हैं।

हंसना मना है

पत्नी-सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तौलिये? पत्नी- अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे। पति हैरान।

एक बार बेटा दारु पी कर घर लौटा। बाप की डांट से बचने के लिए वो लैपटॉप खोल के बैठ गया और पढ़ने लगा। बाप घर लौटा और बोला- आज फिर पी कर आया है क्या? बेटा- नहीं तो पापा। बाप- तो सूटकेस खोल के क्यों बैठा है?

एक बच्चा स्कूल से रोते हुए जल्दी घर वापस आ गया। मम्मी - क्या हुआ बेटा तू रो क्यों रहा है और आज इतनी जल्दी घर क्यों आ गया? बच्चा - मम्मी मैंने तो बस एक मच्छर मारा था और मैडम ने मुझे मारा और स्कूल से भगा दिया। मां- एक मच्छर मारने पर तुझे क्यों मारा और स्कूल से भी भगा दिया? बच्चा- मम्मी, मच्छर उसकी गाल पर बैठा था।

कहानी | प्रभु भोग का फल

एक सेठजी बड़े कंजूस थे। एक दिन दुकान पर बेटे को बैठा दिया और बोले कि बिना पैसा लिए किसी को कुछ मत देना, मैं अभी आया। अकस्मात एक संत आये जो अलग-अलग जगह से एक समय की भोजन सामग्री लेते थे। लड़के से कहा- बेटा जरा नमक दे दो। लड़के ने सन्त को डिब्बा खोल कर एक चम्मच नमक दिया। सेठजी ने कहा- क्या बेचा बेटा? बेटा बोला- एक सन्त, जो तालाब के किनारे रहते हैं, उनको एक चम्मच नमक दिया था। सेठ का माथा ठनका और बोला- अरे मूर्ख! इसमें तो जहरीला पदार्थ है। अब सेठजी भाग कर संतजी के पास गए, सन्तजी भगवान् को भोग लगाकर थाली लिए भोजन करने बैठे ही थे कि सेठजी दूर से ही बोले-महाराज जी रुकिए, आप जो नमक लाये थे, वो जहरीला पदार्थ था, आप भोजन नहीं करें। संतजी बोले-भाई हम तो प्रसाद लेंगे ही, क्योंकि भोग लगा दिया है और भोग लगा भोजन छोड़ नहीं सकते। हां, अगर भोग नहीं लगता तो भोजन नही करते और कहते-कहते भोजन शुरू कर दिया। सेठजी के होश उड़ गए, वो तो बैठ गए वहीं पर। रात हो गई, सेठजी वहीं सो गए कि कहीं संतजी की तबियत बिगड़ गई तो कम से कम बैद्यजी को दिखा देंगे तो बदनामी से बचेंगे। सोचते-सोचते उन्हें नींद आ गई। सुबह जल्दी ही सन्त उठ गए और नदी में स्नान करके स्वस्थ दशा में आ रहे हैं। सेठजी ने कहा- महाराज तबियत तो ठीक है। सन्त बोले- भगवान की कृपा है! इतना कह कर मन्दिर खोला तो देखते हैं कि भगवान् के श्री विग्रह के दो भाग हो गए हैं और शरीर काला पड़ गया है। अब तो सेठजी सारा मामला समझ गए कि अटल विश्वास से भगवान ने भोजन का जहर भोग के रूप में स्वयं ग्रहण कर लिया और भक्त को प्रसाद का ग्रहण कराया। सेठजी ने घर आकर बेटे को घर दुकान सम्भला दी और स्वयं भक्ति करने सन्त शरण में चले गए!

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
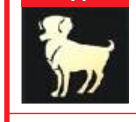
मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें।

वृषभ

मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा।

मिथुन

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। कारोबार से लाभ होगा।

कर्क

शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

सिंह

आय में वृद्धि होगी। अपने काम से काम रखें। लाभ के अवसर मिलेंगे। विवेक का प्रयोग करें। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा।

कन्या

नए उपक्रम प्रारंभ करने संबंधी योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

तुला

कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक

प्रसन्नता बनी रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

धनु

दौड़धूप रहेगी। नकारात्मकता हावी रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

मकर

सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। पार्टनरों से सहयोग मिलेगा। झंझटों में न पड़ें।

कुम्भ

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। विवेक से कार्य करें।

मीन

नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा।

ग्लैमर छोड़ गांव के रंग में रंगने को तैयार रेहा सुखेजा

रियलिटी शोज में आपने ग्लैमर, ड्रामा, कैटफाइट और मजेदार गॉसिप्स तो जरूर देखे होंगे। लेकिन अब एक ऐसा रियलिटी शो टीवी पर छाने को तैयार है, जिसमें आपको गांव की मुश्किल जिंदगी को करीब से जानने का मौका मिलेगा। इस नए शो का नाम है छोरियां चली गांव। शो के कंटेस्टेंट्स को शहरी लाइफस्टाइल भूलकर गांव के रंग में रंगना होगा।

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

गांव की साधारण जिंदगी पर बेस्ड नए रियलिटी शो छोरियां चली गांव में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, एक्ट्रेस और कंटेंट क्रिएटर अपना जलवा बिखेरती दिखेंगी। शो में शामिल होने को लेकर कई हसीनाओं के नाम सुर्खियों में बने हुए हैं, जिनमें एक नाम सुपरमॉडल रेहा सुखेजा का है। रेहा सुखेजा मॉडलिंग की दुनिया का जाना-माना नाम हैं। लेकिन अब वो रियलिटी शो छोरियां चली गांव से टीवी पर अपना धमाकेदार डेब्यू कर सकती हैं। ईटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रेहा को अपकमिंग रियलिटी शो छोरियां चली गांव के लिए अप्रोच किया गया है। मेकर्स संग उनकी बातचीत चल रही है।

रिपोर्ट में शो की प्रोडक्शन टीम के सूत्र के हवाले से बताया गया है कि रेहा से शो को लेकर फिल्हाल बातचीत चल रही है। अब रेहा ऐश-ओ-आराम की जिंदगी छोड़कर कुछ समय के लिए शो में गांव की मुश्किल और चुनौतीपूर्ण जिंदगी को एक्सपीरियंस करना चाहेंगी या नहीं.... ये तो रेहा या मेकर्स ही बता सकते हैं।

रेहा की बात करें तो वो फेमस मॉडल हैं। वो सेलिब्रिटी फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, सब्यासाची, गौरव गुप्ता समेत कई पॉपुलर डिजाइनर्स के लिए रैम्प वॉक कर चुकी हैं। शो में अगर वो शामिल होती हैं तो अपने ग्रेस, खूबसूरती और एलीगेंस से चार चांद लगा सकती हैं।

छोरियां चली गांव शो की बात करें तो इसमें एंटरटेनमेंट वर्ल्ड की 12 खूबसूरत हसीनाएं शामिल होंगी। शो में उन्हें लग्जरी लाइफ से दूर गांव के सेटअप में गुजारा करना होगा। चूल्हे पर खाना बनाना होगा, चारपाई पर बिना गद्दों के सोना होगा। गाय, भैंस बकरियों के बीच रहना होगा। अब गांव की जिंदगी में कौन सी हसीना खुद को कितना ढाल पाएगी? ये देखना काफी दिलचस्प होगा।

सैयारा फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे अनन्या के कजिन अहान पांडे

अनन्या पांडे के कजिन अहान पांडे सैयारा फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। सैयार के ट्रेलर में अहान की जबरदस्त एक्टिंग देखने को मिली। हर ओर उनके चर्चे हो रहे हैं। फैन्स और सेलेब्स सभी उनकी परफॉर्मेंस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अहान एंटरटेनमेंट वर्ल्ड में धमाल मचाने को तैयार हैं, ये बात सबको पता चल चुकी है। पर बहुत कम लोग उनके पेरेंट्स के बारे में जानते हैं। आइए जानते हैं कि कौन हैं अनन्या के चाचा-चाची, जो लाइमलाइट से दूर रहते हैं।

अहान पांडे, चिक्की पांडे और डियाने पांडे के बेटे हैं। चिक्की पांडे बॉलीवुड एक्टर चंकी पांडे के बड़े भाई हैं। उनका असली नाम आलोक शरद पांडे है। अहान के पिता मुंबई बेस्ड बिजनेसमैन हैं। वो रंजीत देशमुख के साथ अक्षरा फाउंडेशन ऑफ आर्ट्स एंड लर्निंग नाम की संस्था भी चलाते हैं। वो इस फाउंडेशन के सह-संस्थापक हैं। ये एक गैर-लाभकारी संस्था है, जो वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करती है। यानी अहान के पिता बिजनेसमैन होने के साथ-साथ समाजसेवा भी करते हैं।

बॉलीवुड | गपशप

लाइफस्टाइल कोच और लेखिका हैं। वो मशहूर हस्तियों के बीच एक पॉपुलर नाम हैं। डियाने को अपनी बेस्ट सेलिंग बुक्स I'm Not Stressed और Shut Up and Train! के लिए भी जानी जाती हैं। डियाने ने सेलिब्रिटी क्लाइंट और सोशल मीडिया पर एक्टिव रहकर अपनी अलग पहचान बनाई है। अहान के अलावा चिक्की और डियाने की एक बेटी भी है, अलाना पांडे।

फिल्मी परिवार से होने के बावजूद अहान के मम्मी-पापा लाइमलाइट से दूर रहते हैं। पर हां पांडे परिवार में जब भी कोई फंक्शन होता है, चिक्की और डियाने धूमधाम से उसमें हिस्सा लेते हैं। इस दौरान उन्हें लेकर खूब बातें भी होती हैं। इसके अलावा उन्हें कभी किसी बॉलीवुड इवेंट या पार्टी में स्पॉट नहीं किया जाता है।

सैयारा में अहान पांडे के साथ अनीत पड्डा लीड रोल में हैं। ट्रेलर में दोनों की दमदार केमिस्ट्री देखने को मिली। अहान और अनीत की फिल्म 18 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज होने के लिए तैयार है। पूरा पांडे परिवार अहान के डेब्यू को लेकर एक्साइटेड है।

बॉलीवुड | मन की बात

मराठी भाषा विवाद पर बोलीं शिल्पा शेट्टी, कहा- मैं मराठी लड़की हूं

शिल्पा शेट्टी ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म के प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा लिया। यहां उनसे मराठी भाषा पर चल रहे विवाद के बारे में पूछा गया। इस पर शिल्पा शेट्टी ने कोई भी कमेंट करने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह के विवाद को बढ़ावा नहीं देना चाहती हैं। शिल्पा शेट्टी बृहस्पतिवार को मुंबई पहुंचीं और अपनी अपकमिंग फिल्म केडी-द डेविल के प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा लिया। इस इवेंट में कन्नड़ फिल्म का टीजर जारी किया गया। इसी दौरान उनसे कहा गया कि वह मराठी भाषा विवाद पर कोई बयान दें लेकिन उन्होंने इस सवाल को टाल दिया और कहा कि उनकी जड़ें मराठी मुल्गी हैं। शिल्पा शेट्टी ने कहा मैं महाराष्ट्र की लड़की हूं। आज हम फिल्म केडी के बारे में बात कर रहे हैं। अगर आप किसी दूसरे विवाद के बारे में बात कर रहे हैं तो मैं इसे बढ़ावा नहीं दे सकती। यह फिल्म कई भाषाओं में रिलीज होने वाली है और हम इसे मराठी में भी डब कर सकते हैं। शिल्पा शेट्टी के सह-कलाकार संजय दत्त ने भी विवाद से दूरी बनाए रखी। वह शिल्पा के बयान पर मुस्कुराते हुए नजर आए। आपको बता दें कि मराठी भाषा विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य सरकार ने राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने की योजना बनाई। इस आदेश पर राज्य के विपक्ष और भाषा समर्थक समूहों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। हालांकि महाराष्ट्र की भाजपा सरकार ने अपने आदेश को पलट दिया है, लेकिन इस पर बहस अभी भी जारी है। आपको बता दें कि शिल्पा शेट्टी जल्द ही फिल्म केडी द डेविल में नजर आएंगी। शिल्पा के अलावा, इस फिल्म में ध्रुव सर्जा, संजय दत्त, रीशमा नानैया, रमेश अरविंद, रविचंद्रन जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे। फिल्म का टीजर 10 जुलाई को जारी किया गया था। दो मिनट का यह टीजर कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज किया गया था।

ये है दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा सिर्फ एक ही बेचकर खरीद सकते हैं फॉर्च्यूनर!

क्या आपने कभी सोचा है कि एक छोटा-सा कीड़ा आपकी किस्मत बदल सकता है? जी हां, स्टेग बीटल, जिसे दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा माना जाता है, इसकी कीमत इतनी है कि आप इसे बेचकर टोयोटा फॉर्च्यूनर जैसी लग्जरी कार खरीद सकते हैं। इस कीड़े की कीमत 75 लाख तक पहुंच सकती है। इसकी कुछ दुर्लभ प्रजातियां 90,000 (लगभग 75 लाख) में बिकी हैं। इसकी दुर्लभता, अनोखी बनावट और सांस्कृतिक महत्व ने इसे कलेक्टर्स और कीट प्रेमियों के बीच स्टेटस सिंबल बना दिया है। स्टेग बीटल (परिवार) में 1,200 से अधिक प्रजातियां शामिल हैं, जो मुख्य रूप से यूरोप, एशिया और अमेरिका के उष्णकटिबंधीय जंगलों में पाए जाते हैं। भारत में यह असम, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और पश्चिमी घाट के जंगलों में मिलता है। इसका नाम पुरुष स्टेग बीटल के बड़े जबड़ों (मैंडिबल्स) से पड़ा, जो हिरण के सींगों जैसा दिखता है। नर 35-75 मिमी और मादा 30-50 मिमी लंबी होती है। इनका वजन 2-6 ग्राम और औसत जीवनकाल 3-7 वर्ष होता है। नर अपने बड़े जबड़ों का उपयोग मादा और क्षेत्र के लिए अन्य नरों से लड़ने में करते हैं, जबकि मादा के छोटे लेकिन मजबूत जबड़े दर्दनाक काट सकते है। **दुर्लभता:** स्टेग बीटल की कई प्रजातियां विश्वभर में दुर्लभ है। जंगल कटाई और आवास विनाश के कारण इनकी संख्या घट रही है। लंदन के नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम के अनुसार, उत्तरी यूरोप में यह संकटग्रस्त प्रजाति है और लंदन का टेम्स वैली क्षेत्र इनके लिए एक आश्रय स्थल है। **कलेक्टर्स की मांग:** जापान जैसे देशों में स्टेग बीटल को पालतू जानवर और स्टेटस सिंबल माना जाता है। वहां 3 लाख से अधिक लोग इन्हें इकट्ठा करते हैं और बीटल फाइटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित होती है। एक दुर्लभ 80 मिमी का डोरकस होपेई प्रजाति 1999 में टोक्यो में 90,000 में बिकी थी। **सांस्कृतिक महत्व:** जापान और अन्य एशियाई संस्कृतियों में स्टेग बीटल को सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। कुछ का मानना है कि इसे रखने से रातोंरात धन प्राप्त होता है। यूरोप में मध्यकालीन कथाओं में इसे बिजली और आग से जोड़ा गया, जिससे इसकी रहस्यमयी छवि बन गई। **चिकित्सा उपयोग:** कुछ स्रोतों के अनुसार, स्टेग बीटल का उपयोग पारंपरिक दवाओं में होता है, हालांकि इसके विशिष्ट उपयोग स्पष्ट नहीं हैं। यह इसकी कीमत को और बढ़ाता है।

अजब-गजब | ये मिशन जितना अजीब, उतना ही शानदार

अमेरिका में प्लेन से बरसेंगी लाखों मक्खियां!

कल्पना कीजिए, आप आसमान की तरफ देखते हैं और वहां से बारिश नहीं, बल्कि लाखों मक्खियां गिर रही हों। सुनने में डरावना लग रहा है न? लेकिन ये कोई हॉरर मूवी का सीन नहीं, बल्कि अमेरिकी सरकार का एक बेहद अनोखा और साइंटिफिक मिशन है। मिशन का मकसद है, मक्खी से ही मक्खी की दुश्मनी! असल में, अमेरिका में मांस खाने वाली मक्खियां जानवरों को परेशान कर रही हैं, वो जानवरों को खा जाती हैं। इससे उन्हें घाव हो जाता है और तमाम जानवर मर रहे हैं। इन्हें रोकने के लिए अमेरिका ये नया मिशन लॉन्च कर रहा है। मकसद है इन खतरनाक मक्खियों की नस्ल को जड़ से खत्म करना और अपने अरबों डॉलर के मवेशी उद्योग को बचाना।

अमेरिका टेक्सास और मैक्सिको बॉर्डर के पास एक खास फैक्ट्री बना रहा है, जिसकी कीमत करीब 8.5 मिलियन डॉलर है। इसमें हर हफ्ते लाखों नर न्यू वर्ल्ड स्क्रूवर्म मक्खियां तैयार की जाएंगी, लेकिन इनमें खास बात होगी। ये सब बांझ यानी नसबंदी की गई होंगी। इन्हें हवाई जहाज से जंगलों और खेतों में छोड़ा जाएगा ताकि ये

मादा मक्खियों से मिलें, लेकिन उनसे संतान न पैदा हो सके।

1950 के दशक में अमेरिका ने स्टेरलाइट इनसेक्ट टेक्निक नाम की तकनीक ईजाद की थी। रेडिएशन से नर मक्खियों को बांझ बना दिया जाता है। फिर जब ये मादा से मिलती हैं, तो वो दोबारा कभी प्रजनन नहीं कर पातीं क्योंकि मक्खियां सिर्फ एक बार मेट करती हैं। इस टेक्नोलॉजी से 1966 में अमेरिका ने पहली बार Screwworm को पूरी तरह मिटा दिया था। अब जब मक्खियों ने दोबारा हमला शुरू किया है, तो सरकार ने वही पुराना फॉर्मूला फिर से निकाला है। यानी मक्खी से मक्खी की तबाही! यह मक्खियां गाय, भैंस, घोड़े, बकरी जैसे मवेशियों पर अंडे देती हैं। उनके लार्वा शरीर का मांस खा जाते हैं, जिससे जानवरों की जान तक जा सकती है। इससे हर साल अरबों डॉलर का नुकसान होता है। अमेरिका का मवेशी और बीफ उद्योग 100 बिलियन डॉलर से भी ज्यादा का है। इसलिए यह मिशन सिर्फ अजीब नहीं, बेहद जरूरी भी है। इससे पहले पनामा में ऐसी ही एक फैक्ट्री बनी थी जिसने दक्षिण अमेरिका से इन मक्खियों को उत्तर की ओर फैलने से रोका। लेकिन पिछले साल से इनका असर फिर से दिखने लगा। अब अमेरिका टेक्सास के Moore Air Base से इन्हें खत्म करने के लिए दोबारा मैदान में उतर चुका है।

सुवेंदु के बयान पर बंगाल में घमासान

भाजपा सोच-समझकर सांप्रदायिक उकसावा कर रही है : टीएमसी

» भाजपा नेता ने कहा- मुस्लिम बहुल इलाकों में न जाएं लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला द्वारा पश्चिम बंगाल के लोगों को जम्मू-कश्मीर आने का न्योता दिए जाने पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने एक ऐसा बयान दिया है जिससे सियासत तेज ह गई है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कोई भी बंगाली कश्मीर नहीं जाएगा। मैं यह पार्टी की मान्यता के आधार पर कह रहा हूं, उन जगहों पर न जाएं जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं। अगर आप जम्मू-कश्मीर जा रहे हैं तो जम्मू जाएं। हत्या से पहले शरीर के अंगों और सिंदूर की जांच की गई थी। शुभेंदु अधिकारी ने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश जाएं, यह देवभूमि है।

उत्तराखंड और ओडिशा जाएं। हमें देश के सभी हिस्सों का दौरा करना चाहिए। मैं बंगाल के लोगों को चेतावनी दे रहा हूं कि वे मुस्लिम बहुल इलाकों में न जाएं। आपकी जान आपकी प्राथमिकता है। अपने जीवन, बच्चों और महिलाओं की रक्षा करें। शुभेंदु अधिकारी अब सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की ओर से राजनीतिक आलोचना का सामना कर रहे हैं, जिसने उनके बयान को सांप्रदायिक उकसावे की एक शर्मनाक और सोची-समझी कार्रवाई करार दिया है। तृणमूल कांग्रेस ने अधिकारी की टिप्पणी को सोची-समझी सांप्रदायिक उकसाव करार दिया। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी ने भाजपा नेताओं के हालिया बयानों की ओर इशारा किया, जिनमें भारतीय संविधान की प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्ष शब्द हटाने की मांग की गई थी। पोस्ट में आगे कहा गया, यह वही भाजपा है जो संविधान से धर्मनिरपेक्ष शब्द को हटाना चाहती है। एक लोकतांत्रिक देश में ऐसे बयानों का कोई स्थान नहीं है। हम भाजपा को भारतीयों के बीच की खाई बनाने नहीं देंगे। न कश्मीर में, न बंगाल में, न कहीं और।

दुर्गापूजा के बाद जम्मू कश्मीर जा सकती हैं ममता

ममता बनर्जी ने कहा, मैंने जम्मू-कश्मीर आने का उनका निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। दुर्गा पूजा उत्सव के बाद मैं वहां जाने की कोशिश करूंगी। हम कश्मीर की मदद के लिए तैयार हैं। हमारे पर्यटकों को कश्मीर जाना चाहिए। डरने की कोई बात नहीं है।बनर्जी ने केंद्र से जम्मू कश्मीर में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का अनुरोध किया और कहा कि वहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यह आवश्यक है, ताकि अधिक से अधिक पर्यटक कश्मीर आ सकें। क्षेत्र में सीमा सुरक्षा को भी मजबूत करना चाहिए। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच यह पहली मुलाकात थी।

दीदी हमेशा संकट में कश्मीरियों के साथ खड़ी रहीं : उमर

कोलकाता/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वीरवार को बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से कोलकाता में शिष्टाचार मुलाकात की। सीएम ममता के साथ बैठक में दोनों राज्यों के बीच विशेष रूप से उद्योग और पर्यटन के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की गई। उमर अब्दुल्ला ने ममता बनर्जी को जम्मू-कश्मीर आने का निमंत्रण दिया। बैठक के बाद ममता के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अब्दुल्ला ने कहा कि मैं दीदी को जम्मू-कश्मीर के लोगों के प्रति उनकी सहानुभूति के

लिए धन्यवाद देता हूं। दीदी हमेशा संकट में कश्मीरियों के साथ खड़ी रहीं। 2019 में एक चुनौतीपूर्ण राजनीतिक दौर के दौरान दीदी ने अपनी चिंताएं व्यक्त की थीं और कहा था कि जो कुछ भी हो रहा है वह गलत है। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद, दीदी ने गोलाबारी से प्रभावित जम्मू कश्मीर के लोगों की सहायता के लिए यहां से एक टीम भी भेजी थी और जरूर मदद पहुंचाई। मैं इन सबके लिए उन्हें धन्यवाद देने और उन्हें जम्मू-कश्मीर आने का निमंत्रण देने आया हूं। अब्दुल्ला ने कहा, बंगाल और कश्मीर के बीच का रिश्ता केवल सांस्कृतिक नहीं, भावनात्मक भी है। यह मिठास से भरा रिश्ता है, जिसे और मजबूत करने की जरूरत है।

50 खोखे मतलब एकदम ओके : आदित्य ठाकरे

» मंत्री संजय शिरसाट के वायरल वीडियो पर शिवसेना यूबीटी के नेता का तंज, पूछा- कहां से आए इतने नोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की राजनीति में इस समय बड़ी हलचल देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री संजय शिरसाट को पिछले दिनों आयकर विभाग की ओर से नोटिस जारी किया गया। बताया जाता है कि साल 2019 से 2024 के विधानसभा चुनावों के दौरान उनकी संपत्ति में हुई बढ़ोतरी को लेकर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। इस नोटिस के ठीक एक दिन बाद शिवसेना (यूबीटी) ने संजय राउत ने एक वीडियो भी शेयर किया जिसके बाद सियासी गरमाहट देखने को मिली।

अब इस वीडियो के आधार शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने मंत्री संजय शिरसाट पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। इस बीच मीडिया से बात करते हुए आदित्य ठाकरे ने मंत्री संजय शिरसाट पर निशाना साधा। आदित्य ठाकरे ने कटाक्ष करते हुए कहा कि 50 खोखे, एकदम ओके। आदित्य ठाकरे ने राज्य के मंत्री से सवाल करते हुए कहा कि आज संजय शिरसाट बनियान और अंडरवियर में बैठे हैं। हम खोखे (नकदी के डिब्बे) की बात करते हैं, 50 खोखे, एकदम ठीक, वीडियो में साफ दिख रहा है।

प्रताप बाजवा के वीडियो से छेड़छाड़ पर रार

» पंजाब के वित्तमंत्री हरपाल चीमा और प्रदेश पार्टी प्रधान अमन अरोड़ा पर केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा की शिकायत पर चंडीगढ़ पुलिस ने पंजाब के वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा और आप पंजाब प्रधान व कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 336-4 (दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड से छेड़छाड़), 356 (मानहानि) और 61-2 (आपराधिक साजिश) के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों को साइबर क्राइम थाने में पेश होकर बयान दर्ज कराने के लिए कहा है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार जिन धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है उनमें से एक गैर जमानती है। ऐसे में दोनों मंत्रियों को पुलिस गिरफ्तार भी कर सकती है।

धारा 336-4 में 3 साल की कैद और जुर्माने का प्रावधान है। नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने चंडीगढ़ सेक्टर-3 थाना पुलिस को जो शिकायत दी थी। इसमें उन्होंने बताया था कि शिअद के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया पर पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने जो कार्रवाई की उसमें उनके एक वीडियो के साथ छेड़छाड़ व उसे एडिट कर गलत ढंग से पेश सोशल मीडिया पर पेश किया गया है। बाजवा ने अपनी शिकायत में बताया है कि 25 जून को उन्होंने एक्स पर दोपहर 3.13 पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने पंजाब विजिलेंस ब्यूरो के अधिकारियों की मजीठिया की पत्नी विधायक गनीव कौर के बेडरूम तक छापे मारने और कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा के साथ व्यवहार किए जाने का वीडियो पोस्ट किया था। आप के नेताओं और सोशल मीडिया टीम ने उनके वीडियो को एडिट कर इस तरह से गलत ढंग से पेश किया जिसमें उन्होंने दिखाया कि वह बिक्रम सिंह मजीठिया के हक में आए हैं।

अकाली दल के नेता कोर्ट और जांच एजेंसियों पर बना रहे दबाव : चीमा

आप के नेता और वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने शिरोमणि अकाली दल पर तीखा हमला बोला और बादल परिवार पर इस तस्करों को बचाने और पंजाब में कानून व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अकाली दल के नेता न्यायपालिका और जांच एजेंसियों पर दबाव बना रहे हैं, जिसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चीमा बुधवार को प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे।चीमा ने मुख्य न्यायाधीश से इस मामले का संज्ञान लेने और न्यायिक अधिकारियों तथा जांचकर्ताओं को इस तरह की धमकियों और डराने-धमकाने से रोकने के लिए उचित निर्देश देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है।

लॉर्ड्स के ऑनर्स बोर्ड में शामिल हुए बुमराह

» लॉर्ड्स में पांच विकेट लेने वाले 15वें भारतीय गेंदबाज बने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के 5/74 के प्रदर्शन को लॉर्ड्स के ऑनर्स बोर्ड में शामिल किया गया है। इस उपलब्धि को वह अपने बेटे अंगद के साथ साझा करना चाहते हैं। दाएं हाथ के गेंदबाज ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा कि जब उनका बेटा बड़ा होगा तब वह उसे इसके विषय में बताएंगे। 31 वर्षीय गेंदबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहली पारी में पांच विकेट लिए।

बुमराह भारत के 15वें गेंदबाज हैं जिन्होंने लॉर्ड्स में पांच या इससे अधिक विकेट लिए हैं। वहीं, बुमराह विदेशी धरती पर सर्वाधिक बार फाइव-फर लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। बुमराह उन भारतीय गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने लॉर्ड्स मैदान पर फाइव-फर पूरे किए हैं। बुमराह से पहले मोहम्मद निसार, अमर सिंह, लाला अमरनाथ, वीनू मानकड़, रमाकांत देसाई, बीएस चंद्रशेखर, बिशन सिंह बेदी, कपिल देव, चेतन शर्मा, वेंकटेश प्रसाद, आरपी सिंह, प्रवीण कुमार, भुवनेश्वर कुमार और ईशांत शर्मा ऐसा कर चुके हैं। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद बुमराह ने उनकी फिटनेस पर सवाल खड़े करने वालों पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा- लोग दर्शकों के लिए सनसनी फैलाना चाहते हैं, मैं समझता हूं कि वे इन सब से पैसा कमाना चाहते हैं। मुझे खुशी है कि मैं उनकी इसमें मदद कर रहा हूं। यादें महत्वपूर्ण हैं और मैं जितना हो सके उतना योगदान देना चाहता हूं।

राहुल ने अर्धशतक लगाकर भारत को संभाला

लंदन जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी ने जहां इंग्लैंड को पहली पारी में विशाल स्कोर बनाने से रोका, वहीं सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने अर्धशतक लगाकर भारतीय पारी को संभाले रखा। इंग्लैंड ने पहली पारी में 387 रन बनाए थे। भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में तीन विकेट पर 145 रन बनाए हैं और वह अभी इंग्लैंड से 242 रन पीछे चल रही है। स्टंप्स के समय केएल राहुल 53 रन और ऋषभ पंत 19 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इंग्लैंड की ओर से क्रिस वोक्स, जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला है।

राजधानी की सबसे पॉश इलाके गोमतीनगर की सड़कें लबालब रहीं।

नगर निगम की लापरवाही उजागर, एक ही बारिश ने करोड़ों की सफाई के दावों की खोली पोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के अधिकारियों के कागज़ों पर किए गए करोड़ों के दावों की हकीकत एक दिन की बारिश ने उजागर कर दी। नगर आयुक्त से लेकर निचले अधिकारियों तक ने बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन हकीकत में न नाले ठीक से साफ हुए, न नालियों की सफाई हुई।

परिणामस्वरूप शहर की तमाम कॉलोनियों में जलभराव और बाढ़ जैसे हालात बन गए। गोमतीनगर, बालागंज, ठाकुरगंज, अमीनाबाद समेत मुख्यमंत्री आवास के आस-पास तक पानी भर गया।

जोन 6 में हालात और भी बदतर

विशेष रूप से नगर निगम के जोन 6 में हालात और भी बदतर हैं। यहां कई नाले पिछले एक साल से बिना सफाई के खुले पड़े हैं। नागरिकों की तमाम शिकायतों के बावजूद जोन 6 के अधिकारियों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इस लापरवाही का खामियाजा इतना बड़ा साबित हुआ कि बारिश के दौरान एक युवक नाले में बह गया। फिलहाल युवक की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा और नगर निगम की व्यवस्था की पोल पूरी तरह से खुलकर सामने आ गई। नगर निगम ने सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा किया था, लेकिन एक बारिश ने ही सारे दावों की सच्चाई दिखा दी। नागरिकों का कहना है कि यह सिर्फ प्रशासनिक उदासीनता ही नहीं, बल्कि करोड़ों के फंड की बंदरबांट का नतीजा भी है।

सीएम पद को लेकर कर्नाटक में फिर गरमाई कुर्सी की सियासत

» डीके शिवकुमार बोले- कुर्सी मिलना बहुत मुश्किल है

» कर्नाटक में सीएम के पोस्ट को लेकर मचा है बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक में सीएम के पद को लेकर सियासत ठंडी नहीं हो रही है। राज्य के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है, जिसके बाद सियासी गलियारों में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर विवाद की चर्चा शुरू हो गई है।

डीके शिवकुमार ने कहा कि हम सब कुर्सी के लिए लड़ रहे हैं. यहां कई कुर्सियां खाली रखी हैं। आइए और बैठ जाइए कुर्सी मिलना बहुत मुश्किल है. जब मिल जाए तो बैठ जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने यह बातें बेंगलुरु सिटी सिविल कोर्ट में बेंगलुरु बार एसोसिएशन की तरफ से आयोजित केम्पेगौड़ा जयंती कार्यक्रम में कहीं. उनके इस बयान ने एक बार फिर मुख्यमंत्री पद को लेकर उनकी आकांक्षा को जाहिर कर दिया।

डीके की ये कुर्सी वाली टिप्पणी अब एक बार फिर मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम के बीच सत्ता संघर्ष की अटकलों को हवा दे रही है। हालांकि सिद्धारमैया पहले ही साफ कर चुके हैं कि कोई नेतृत्व परिवर्तन नहीं होने वाला, लेकिन शिवकुमार के बयानों से यह साफ है कि कांग्रेस में शीर्ष पद को लेकर अंतर्कलह अभी थमी नहीं है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा था पांच साल रहूंगा सीएम

सिद्धारमैया ने बीते दिनों कहा था कि कांग्रेस सरकार 5 साल का कार्यकाल पूरा करेगी और मैं ही मुख्यमंत्री रहूंगा। यह हाईकमान का निर्णय है और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब पार्टी के भीतर गुटबाजी की खबरें सुर्खियों में थीं। सिद्धारमैया के बयान से यह संकेत गया है कि कांग्रेस आलाकमान फिलहाल कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन के मूड में नहीं है। सिद्धारमैया ने कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने साफ किया कि यही मेरा जवाब है। साथ ही डीके शिवकुमार का हवाला देते हुए कहा कि खुद शिवकुमार ने कहा है कि सीएम पद खाली नहीं है। दोनों नेताओं ने यह भी दोहराया कि आलाकमान जो फैसला करेगा, वे उसका पूरी तरह पालन करेंगे।

भाजपा के आरोपों को सिद्धारमैया ने किया खारिज

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा नेता अमित मालवीय के इस आरोप का खंडन किया है कि राहुल गांधी ने मुलाकात से इनकार करके उन्हें अपमानित किया है। सिद्धारमैया ने कहा कि दिल्ली में उनका प्राथमिक उद्देश्य रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मैसूरु के दशहरा एयर शो पर चर्चा करना था। सिद्धारमैया ने पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली में मेरा मुख्य काम रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मैसूर में दशहरा के दौरान होने वाले एयर शो पर चर्चा करना था। राहुल गांधी को कर्नाटक के लोगों से बहुत लगाव है। सिद्धारमैया ने आगे कहा कि उन्हें हमेशा याद रहता है कि कैसे इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी कर्नाटक से चुनी गई थीं और कैसे राज्य हर मुश्किल मोड़ पर कांग्रेस के साथ खड़ा रहा है। श्री राहुल गांधी सहित गांधी परिवार कर्नाटक के लोगों द्वारा दिए गए प्यार का ऋणी है और हमारे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एक गौरवान्वित कन्नड़ हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर केंद्रीय धन देने से इनकार करके कन्नड़ लोगों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कर्नाटक में सकारात्मक और परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मैं सावरकर पर बयान के लिए दोषी नहीं : राहुल गांधी

» पुणे कोर्ट में नेता प्रतिपक्ष पर चल रहा मानहानि का केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर पर अपनी टिप्पणी से जुड़े मानहानि के एक मामले में खुद को निर्दोष बताया। पुणे की एक अदालत में उनकी ओर से उनके वकील मिलिंद पवार ने यह याचिका दायर की, क्योंकि राहुल गांधी स्वयं कार्यवाही के दौरान मौजूद नहीं थे।

न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) एवं विशेष न्यायाधीश (एमपी/एमएलए कोर्ट) अमोल श्रीराम शिंदे के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। न्यायाधीश ने औपचारिक रूप से गांधी के खिलाफ आरोप पढ़े, जिस पर उनके वकील के माध्यम से उनकी ओर से निर्दोष होने की दलील दर्ज की गई। गौरतलब है कि यह मामला वीडी सावरकर के पोते सत्यकी सावरकर ने दायर किया था। इस मामले पर बोलते हुए, शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर के वकील संग्राम कोल्हटकर ने पुष्टि की कि आरोपी की याचिका दर्ज करने का चरण पूरा हो गया है। सत्यकी सावरकर का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील संग्राम कोल्हटकर ने कहा कि चूँकि आरोपी की याचिका दर्ज करने का चरण पूरा हो गया है, इसलिए अब मामले की सुनवाई आगे बढ़ेगी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई के लिए निर्धारित की है। यह मामला लंदन में गांधीजी द्वारा दिए गए एक भाषण से उपजा है जिसमें उन्होंने सावरकर के कार्यों और विचारधारा की आलोचना की थी। भाषण के दौरान, गांधीजी ने कहा, उन्होंने (सावरकर और उनके दोस्तों ने) एक मुसलमान को पीटा और खुश हुए। अगर पाँच लोग एक व्यक्ति को पीटते हैं और कोई खुश हो रहा है, तो यह कायरता है। सावरकरजी के साथ पंद्रह लोग एक व्यक्ति को पीट रहे हैं। यह भी उनकी विचारधारा में है।

फिर कोर्ट पहुंचा राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता का मामला

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में शुक्रवार एक पुनर्विचार याचिका दाखिल की गयी है। याची एस विग्नेश शिशिर के अनुसार उन्होंने उक्त पुनर्विचार याचिका दाखिल की है, जिसमें लंदन, वियतनाम और उज़बेकिस्तान के वीडियो सहित अन्य साक्ष्य भी दाखिल किए हैं। उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट ने बीती 5 मई को मूल याचिका को निस्तारित करते हुए याची को छूट दी थी कि वह अन्य विधिक वैकल्पिक उपाय अपना सकता है।

दिल्ली में चार मंजिला इमारत गिरी, दो की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के वेलकम इलाके में चार मंजिला इमारत गिरने की खबर आ रही है। घटना शनिवार सुबह 7 बजे की है। बताया जा रहा है कि जिस समय ये हादसा हुआ उस दौरान इमारत में कई लोग मौजूद थे। मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए राहत और बचाव कार्य जारी है. मौके पर दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौजूद हैं। इस हादसे में दो लोगों की मौत की खबर है। जबकि कई लोग अभी भी मलबे में दबे बताए जा रहे हैं।

दमकल विभाग के अनुसार घटनास्थल पर अब तक 6 लोगों को मलबे से सुरक्षित निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि 5 से छह लोग अभी भी मलबे के नीचे फंसे हुए हैं. राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है। दिल्ली अग्निशमन सेवा प्रमुख अतुल गर्ग ने एक बयान में बताया कि सीलमपुर में ईदगाह रोड के पास जनता कॉलोनी की गली नंबर 5 में एक इमारत ढह गई। इससे पहले अप्रैल में, दिल्ली के मुस्तफाबाद में एक चार मंजिला इमारत के ढहने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई थी और 13 अन्य को बचा लिया गया था। एक अधिकारी ने इसे पैनकेक पतन बताया कि जिसमें, उनके अनुसार, बचने की संभावना काफी कम है।

फ्यूल स्वीच बंद होने से हुआ था भीषण विमान हादसा

» अहमदाबाद में हुए भीषण विमान दुर्घटना की जांच रिपोर्ट में खुलासा

» हादसे में 270 लोगों की बेहद दर्दनाक मौत हुई थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए भीषण विमान दुर्घटना को पूरा एक महीना हो गया। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की ओर से प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आ चुकी है। पिछले महीने 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट ,एआई 171 टेक ऑफ करने के कुछ ही मिनट में एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत पर क्रैश होकर गिर गई थी।

हादसे में 270 लोगों की बेहद दर्दनाक मौत हुई थी। मरने वालों में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी समेत 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है। 29 मेडिकल कॉलेज के छात्र व अन्य लोग थे। जांचकर्ताओं को हादसे के दूसरे दिन फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) और तीसरे दिन कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) मिल गया था। अहमदाबाद प्लेन क्रैश की जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) कर रहा है। विमान अमेरिकी कंपनी बनाती है, इसलिए अमेरिकी नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड भी अलग से जांच कर रहा है।

एयर इंडिया विमान हादसा

अब तक विमान में नहीं मिली कोई खराबी

अहमदाबाद विमान हादसे की शुरुआती जांच में अभी तक बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान और उसके जीई एयरोस्पेस इंजन में किसी तरह की तकनीक खराबी सामने नहीं आई है।अमेरिकी समाचार पत्र की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विमान के दोनों इंजन में ईंधन की सप्लाई कंट्रोल करने वाले स्विच बंद कर दिए गए थे। इस कारण प्लेन के टेक ऑफ के तुरंत बाद इंजन में ताकत खत्म हो गई। बता दें कि आमतौर पर पायलट इन स्विच को इंजन चालू करने, बंद करने या फिर किसी आपात स्थिति में रीसेट करने के लिए इस्तेमाल करते हैं।

ब्लैक बॉक्स के डेटा में फ्यूल स्विच के मूवमेंट की बात कही

अमेरिका की विमानन वेबसाइट दि एयर कंट्रोल की रिपोर्ट की मानें तो विमान के ब्लैक बॉक्स के शुरुआती डेटा में दोनों इंजन के फ्यूल स्विच के मूवमेंट की बात कही गई। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका कि इंजन के फ्यूल स्विच में मूवमेंट पायलट गलती थी या तकनीकी खामी या फिर किसी और वजह से हुआ।अमेरिका के विमानन सुरक्षा विशेषज्ञ जॉन कॉक्स का कहना है कि यह स्विच इतना सेंसटिव नहीं होता है कि गलती से हाथ लगने से ऑन या ऑफ हो जाए। इस जमीन पर ही ऑन/ऑफ किया जा सकता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।